

माड़ा स्कूल में नियुक्ति को लेकर विवाद, प्राचार्य और बाबू पर मनमानी का आरोप

A group of people, including a man in a white shirt and a woman in a red sari, standing in a line outside a building.



आसमा शर्मा ने 11 जुलाई से 5 अगस्त तक विद्यालय में ऑनलाइन उपस्थिति के साथ अध्यापन कार्य किया। आरोप है कि 5 अगस्त को शाम करीब 3 से 4 बजे के बीच बिना पूर्व सूचना और उच्च अधिकारियों के आदेश के उन्हें पोर्टल से हटा दिया गया। इसके बाद उनके स्थान पर कम

स्कोर वाली अतिथि शिक्षिका को कार्य करایा जा रहा है। आवेदिका ने प्राचार्य और बाबू पर मनमानी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि नियुक्ति के संबंध में उनका कथित रूप से पैसे की मांग की गई थी। उनका आरोप है कि राशिश नहीं देने के कारण उन्हें हटा दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। शिकायत में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आवेदन देने का बावजूद कार्रवाई नहीं होने की बात भी कही गई है। आवेदिका ने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारियों से शिकायत करने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट कराने की धमकी दी गई। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए नियम एवं वरीयता का आधार पर नियुक्ति दिलाने तथा दोषियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है।

सिंगरौली । कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत 3 अक्टूबर 2026 को जिले में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जनपद देवसर अंतर्गत ग्राम करदा विधानसभा धौहनी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शिविर आयोजित होगा। यह शिविर सेवा सेतु अभियान के साथ आयोजित किया जाएगा। इसी अवसर पर ग्राम करदा में स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा। कलेक्टर गौरव बैनल ने संबंधित अधिकारियों को शिविरों का सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने तथा शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों एवं आमजन को शासकीय सेवाओं और योजनाओं का लाभ उपलब्ध करने के निर्देश दिए हैं। स्वस्थ स्वास्थ्य शिविर में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा आमजन तक शिविरों की जानकारी पहुंचाने के भी निर्देश दिए हैं। जिले के शेष जनपदों में सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत 3 अक्टूबर को शिविर आयोजित किए जाएंगे।

तेलदह में पीसीसी
सड़क निर्माण की
गुणवत्ता पर उठे
सवाल, ठेकेदार व
सरपंच पर धमकी
और अभद्रता के
आरोप

सिंगरौली। जनपद पंचायत बैदूत अंतर्गत ग्राम पंचायत तेलदह में कराए जा रहे पीसीसी सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में शिकायत देकर निर्माण कार्य की मौके पर जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव के संरक्षण में ठेकेदार द्वारा मानकों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम तेलदह में सुष्मा पाण्डेय के घर से हिरामन केवट के घर की ओर ग्राम



पंचायत द्वारा ठेकेदार दयागाम
कुशवाहा के माध्यम से पीसीसी
सड़क का निर्माण कराया जा रहा
है। आरोप है कि सड़क निर्माण में
निर्धारित गुणवत्ता और मानकों का
पालन नहीं किया जा रहा है।
ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने
मौके पर पहुँचकर ठेकेदार से
गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने का
अनुरोध किया, लेकिन कथित तौर
पर उनके साथ अश्रद्धा व्यक्त
किया गया। शिकायतकर्ताओं ने
आरोप लगाया कि ठेकेदार ने
विरोध करने पर कथित रूप से

धमकी दी तथा शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की बात कही। वहीं, ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के सरपंच पप्पू खैरवार पर भी ठेकेदार के पक्ष में खड़े हो गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे आवेदन में बताया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और मौके पर हुए विवाद से संबंधित फोटो एवं वीडियो उनके मोबाइल में सुरक्षित हैं। उनका कहना है कि इन साक्ष्यों से निर्माण की वास्तविक स्थिति का जांच की जा सकती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से निर्माण स्थल का तकनीकी परीक्षण कराने सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच करने तथा शिकायत में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया गया है।

सिंगरौली। विन्ध्यनगर पुलिस ने अपराधियों और फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का तहत बड़ी कारवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इनमें करीब 10 माह से फरार स्थायी वारंटी, एक गिरफ्तारी वारंटी तथा साराब पीने के लिए रुपये मांगकर युवक से मारपीट करने वाले दो आरोपित शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, स्थायी वारंटी मुकेश पिता महेश, उम्र 21 वर्ष

निवासी विध्वननगर के खिलाफ न्यायालय से प्रकरण क्रमांक 149/23 में स्थायी वारंट जारी था। वह करीब 10 माह के दौरान चल रहा था। काबिंग गश्त के फौरन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। इसी तरह पवन शाह पिता शिवचरण शाह, निवासी नवजीवन विहार सेक्टर-3 के खिलाफ धारा 379 भादवि के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी था। उसे भी रात्रि काबिंग गश्त के दौरान गिरफ्तार किया गया।

शराब के लिए रुपये
मांगने और मारपीट
करने वाले दो आरोपित
भी दबोचे, काबिंग गश्त
के दौरान पुलिस की
कार्यवाही

वर्षों 17 सितंबर को जुवाड़ी में रागिनी किराना दुकान के पास आशीष कुमार को रोककर शराब पीने के लिए रुपयें मांगने और रुपये नहीं देने पर मारपीत करने के मामले में पुलिस ने राज सिंह पिता शिवकुमार सिंह, उम्र 24 वर्ष और विकास सिंह पिता धर्मदेव कुमार सिंह, उम्र 27 वर्ष, दोनों निवास जयनगर को गिरफ्तार किया। दोनों पर बीएनएस को विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज था। पुलिस ने चावल आरोंपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अर्चना द्विवेदे सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

सुरक्षित गर्भपात सेवाओं
को सुदृढ़ करने पर स्वास्थ्य
विभाग की बैठक आयोजित

सिंगरौली । अंतरराष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभागार में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं को सुदृढ़ करने की उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष आरडी पांडेय, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. यू.के. सिंह, डॉ. सरिता, डॉ. ऋषभ राजेंद्र, बीएमए ओ.बेदन डॉ. अमर दुनैय सहित जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डीपीएचएनओ, सीएस प्रदाता एवं चिकित्सा अधिकारी, एमएच समन्वयक, एपीएम, डीसीएम, नर्सिंग मेंटर एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन जनजागरुकता के तहत परिवहन विभाग की कार्यवाही, 3.75 लाख रुपये राजस्व वसूला

सिंगरौली। मालवाहक वाहनों में नियम विरुद्ध यात्रा परिवहन करने वालों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। कलेक्टर गौर नैनल के निर्देश और जिला परिवहन अधिकारी के मार्गदर्श में चलाए जा रहे आप्रेशन जनजागरूकता के तहत सुलियत माईस-अडानी-गजरा बहरा मार्ग पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान मालवाहक पिकअप वाहनों से यात्रियों का असुरक्षित एवं नियम विरुद्ध परिवहन करते पाए जाने पर पिकअप वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों को आगे का कारवाई के लिए मोरवा थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है।



जांच अभियान के दौरान परिवहन नियमों के विभिन्न उल्लंघनों पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने 3 लाख 75 हजार 500 रुपये का राजस्व वसूल किया। वाहन क्रमांक सीजी 15 ईडी 8055 में परमिट संबंधी अनियमितता मिलने पर उसे ई-डिटेंड किया गया।

तथा ऑनलाइन शासकीय रसीदें जारी की गईं। अभियान के दौरान खुले में मिट्टी, गिट्टी, कोयला और फ्लाई ऐश परिवहन करने वाले वाहनों की भी जांच की गई। क्षतिग्रस्त बॉडी, खराब टायर, बिगड़ चुके ब्रेक, जर्जर फ्रेम, वैध ड्राइविंग लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के वाहन

मालिकों और चालकों को परमिट फिटनेस, पंजीयन व लाइसेंस सहित सभी वैधानिक दस्तावेज दुरुस्त रखने की हिदायत दी है। निर्धारित क्षमता से अधिक अथवा अनधिकृत यात्री परिवहन करने वालों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्रामीणों ने सरपंच पर अधूरे व बिना काम कराए राशि निकालने के लगाए आरोप, भौतिक सत्यापन और वसूली की मांग

सिंगरौली। जनपद पंचायत चिदरंगी अंतर्गत ग्राम पंचायत गड़वानी में विकास कार्यों के नाम पर कथित अनियमितता और शासकीय राशि के दुरुपयोग का मामला कलेक्टर की जासुनवाई में पहुंचा है। ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामवासियों की ओर से दिए गए आदेन में सरपंच पर कई कार्य अधूरे छोड़ने, कुछ कार्य कराए बिना ही राशि आहरित करने तथा पहले से निर्मित कार्य में मरम्मत व लीपापोती कर दोबारा भुगतान लेने के आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच

कारका दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन में बताया गया कि गुलरिहा नाला में गैवियन स्ट्रक्चर निर्माण के लिए करीब 3.27 लाख रुपये, अगरदिया नाला में मिनी तालाब निर्माण के लिए 8.87 लाख रुपये तथा छोटेताल साकेत के खेत में लघु तालाब के लिए 1.93 लाख रुपये की राशि आहरित की गई लेकिन मौके पर कार्य नहीं होने का आरोप है। इसी तरह शिवकुमार साकेत के खेत में खेत तालाब के लिए 1.25 लाख और लघु तालाब के लिए 1.80 लाख रुपये तथा

रामाधार साकेत के खेत में लाल
तालाब निर्माण के लिए 1.63 लाख
रुपये की राशि निकाले जाने का
शिकायत की गई है। ग्रामीणों में
पंचायत भवन और माध्यमिक
शाला गड़वाली की बाउंड्रीवाल
आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक दो के
शौचालय सहित अन्य कार्यों की
जांच की मांग की है। आरोप है कि
आंगनवाड़ी केंद्र की पहले से बन
बाउंड्रीवाल में 3.63 लाख रुपये का
कर करीब 3.63 लाख रुपये का
भुगतान कराया गया वहीं उन्वा
अगरहिया नाला में पाप निर्माण
गुलरिहा नाला में पुलिया निर्माण

हरिजन बस्ती और कोहराडोल में तालाब निर्माण सहित कई कार्यों को लेकर भी शवाल उठाए गए हैं। आवेदन में नटवार नाला में चेकडैम निर्धारित स्थान के बजाय अन्य जगह बनाए जाने, टिंच निर्माण व पौधा रोपण के नाम पर राशि निकालने तथा नाडेप निर्माण की भी जांच कराने की मांग की गई है।

ग्रामीणों ने भुगतान से जुड़े अभिलेख और खातों की जांच कराने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि कुछ राशि सरपंच के रिश्तेदारों से जुड़े खातों में भुगतान

की गई है। आवेदन में सरपंच के देवर के खाते में 60 हजार और ससुर के खाते में 40 हजार रुपये मजदूरी के एकमुश्त भुगतान का भी उल्लेख किया गया है। ग्रामीणों ने सरपंच कार्यों का मौके पर भौतिक सत्यापन कराने, अभिलेख एवं भुगतान की जांच करने तथा अनियमितता प्रमाणित होने पर शासकीय राशि की वसूली और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सरपंच के पति एवं सचिव तथा संबंधित लोगों को भीमिका की जांच कराने की मांग की है।

आयुक्त सविता प्रधान ने दिए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

सिंगरौली। नगरपालिका निगम सिंगरौली द्वारा शासन के निर्देशानुसार 30 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक सेवा में योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता, सेवा एवं प्रजननग्राहारी आधारित अभियानों का आयोजन किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान ने अभियानों के तैयारियों को समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यसूचियों का सुव्यवस्थित समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को जनअभियान का स्वरूप देते हुए नागरिकों को सक्रिय भागीदारों से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना है। अभियान के अंतर्गत



30 सितंबर को सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन किया जाएगा। 2 से 4 अक्टूबर तक कृषि उपज मंडी वार्ड क्रमांक 42, मुख्य बाजार, बस स्टैंड जयन्त वार्ड क्रमांक 17 एवं सामुदायिक भवन वैदैन वार्ड क्रमांक 40 में स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वहाँ 3 से 5 अक्टूबर तक गिनियारी, ढोंटी,

मोरावा, अमलोरी एवं नौगढ़ स्थित तालाबों एवं छठ घाटों को प्लास्टर एवं ठोस अपशिष्ट मुक्त बनाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान लागू। 4 अक्टूबर को सामुदायिक भवन मोरावा में “सेवा सेवक अभियान-सरकार आपके द्वार” शिविर के माध्यम से नागरिकों के समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा तथा 7 अक्टूबर को अम्बेडकर चौक से स्टैडियम तक “सेवा ज्योति यात्रा” निकाला जाएगा। आयुक्त श्रीमती प्रधान एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभियानों में स्वयंसेवक संस्थाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं आम नागरिकों को समूह सहभागीता सुनिश्चित करा जाए।

सिंगरौली। जिले में अपराधियों पर तकनीकी शाखा की टीमों का समन्व

पुलिस ने सोमवार रात व्यापक नाइराक्रीमिंग गस्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक पिचाय के.एम. के मार्गदर्शनाधीन विले के सभी अनुभागों में पुलिस को अलग-अलग टीमों में संवेदनशील क्षेत्रों में सघन जांच और संदिग्धों की धरपकड़ की। अभियान के दौरान कुल 297 वदमशाओं और आरोपियों के खिलाफ वदमशाई की गई। पुलिस के अनुसार अभियान में लंबे समय से फरार चल रहे 24 स्थानीय वरिष्ठों को गिरफ्तार किया गया। वहीं 103 गिरफ्तारी वरिष्ठों को पकड़ गया, जिन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा। इसके अलावा पुलिस टीमों ने 79 गिरगारी वदमशाओं और 84 गुंडा वदमशाओं को जांच की। चौकीदारों को प्रभावी बनाने के लिए थाना, वीरगंज और पुलिस लाइन के बल के साथ

हलकों, प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और हाईवे पर रातभर गश्त करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की। प्रमुख चौराहों और एटीएम बैंक परिसरों में भी औचक निरीक्षण किया गया। देर रात बिना कारण घूम रहे संदिग्ध युवकों को पुलिस ने समझाझप देते हुए आवश्‍यक चेतावनी दी। यात्रियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी पुलिस बल लगातार सक्रिय रहा। अचानक और व्यापक स्तर पर हुई कार्रवाई से पुलिस की मौजूदगी पूरे जिले में नजर आई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक नाइट कॉम्पिंग का उद्देश्य फरार अपराधियों की धरपकड़, सक्रिय बदमाशों की निगरानी और रात में कानून व्यवस्था को मजबूत करना है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सिंगरौली। नल-जल

पाइपलाइन में लीकेज के चलते पिछले करीब छह महीने से लगातार सड़क पर पानी बह रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को दी जा चुकी है लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

बताया जा रहा है कि पाइपलाइन की मरम्मत के लिए पूर्व में काम भी कराया गया था। लेकिन समस्या खत्म होने के बजाय पानी का रिसाव और तेज हो गया। ऐसे में सवाल उठता है कि लाजिमी है कि आखिर मरम्मत कार्य किस स्तर पर किया गया



और उसकी गुणवत्ता की जांच
किसने की? नल-जल योजना के
तहत पाइपलाइन बिछाने और
उसकी देखरेख की जिम्मेदारी
संबंधित एजेंसी अथवा कार्यदायी
संस्था की होती है। इसके बावजूद
लंबे समय से सड़क पर पानी
बहने से जहां पेयजल की बर्बादी
हो रही है, वहीं सड़क भी प्रभावित
हो रही है। स्थानीय लोगों का
कहना है कि यदि संबंधित कंपनी

अथवा एजेंसी द्वारा कराए गए कार्य की नियमित निगरानी और गुणवत्ता की जांच की गई होती तो समस्या इतनी लंबी अवधि तक नहीं बनी रहती। लोगों ने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर साइपलाइन लीकेज का स्थायी समाधान कराया जाए तथा पूर्व में किए गए मरम्मत कार्य की गुणवत्ता की भी जांच की जाए।

संपादकीय

मणिपुरहिंसा,कबनिकलेगा संकट का समाधान?

आज भी अलग-अलग जातीय समुदाय कई जगहों पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। करीब तीन साल से ज्यादा गुजर जाने के बावजूद आज भी मणिपुर में जो हालात हैं, उससे यही लगता है कि या तो सरकार को समस्या के समाधान का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है या फिर स्थिति की जटिलता को लेकर शासन-प्रशासन उदासीन है। वरना इतने वक्त में सभी पक्षों को संवाद की मेज पर लाकर कोई सर्वमान्य हल निकालने के बजाय आखिर ऐसा क्यों है कि संकट का स्तर ज्यों का त्यों बना हुआ है।आज भी अलग-अलग जातीय समुदाय कई जगहों पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। स्थिति का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सरकार को एक बार फिर से कुछइलाकों को छोड़कर मणिपुर को अशांत क्षेत्र घोषित करने की जरूरत पड़ गई। जाहिर है, राज्य में हिंसा पर काबू पाने में शुरुआती लापरवाही का सिरा अब भी कायम है और सरकार एक तरह से लाचार दिख रही है। क्या यह राज्य में कानून-व्यवस्था को संभाल पाने में सरकार की नाकामी का सबूत नहीं है?गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नगालैंड के कुछ जिलों के साथ-साथ मणिपुर में तेरह थाना क्षेत्रों को छोड़ कर समूचे राज्य को फिर से अशांत क्षेत्र घोषित कर दिया है। अब इन इलाकों में एक अत्तूबर के बाद अगले छह महीनों तक यह नियम लागू रहेगा। दूसरी ओर, मणिपुर के कामजोंग जिले में तांगखुल नगा समुदाय के चार लोगों के गोलियों से छलनी शव मिले। दरअसल, मणिपुर में हिंसा के एक जटिल दुश्क्र में पहुंच जाने की वजह सरकार की वह अनदेखी है, जो सामान्य दिनों में की गई।मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विवाद ने कुकी-जो समुदाय के साथ टकराव का रूप ले लिया और मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई। उससे पहले ही अगर सरकार ने जरूरी सजगता दिखाई होती, तो हालात यहां तक नहीं पहुंचते। आज भी न केवल कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक टकराव जारी है, बल्कि उस हिंसा का विस्तार अन्य समुदायों तक भी हो गया है। सवाल है कि अक्सर सब कुछ ठीक हो जाने का दावा करती केंद्र और राज्य सरकार के भीतर इस समस्या को खत्म करने और टकराव के मोर्चे पर खड़े अलग-अलग पक्षों के बीच संवाद कायम कर एक हल तक पहुंचने की इच्छाशक्ति क्यों नहीं दिखती !

आदिवासी विकास की असली कसौटी-योजनाएं बढीं, लेकिन हक और अवसर कितने मिले?

(निमिषा सिंह)

सरकारी योजनाओं ने जीवन कितना बदला, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार कितना मजबूत किया और शिक्षा, रोजगार व अवसरों तक पहुंच कितनी बढ़ाई। आदिवासी विकास की असली कसौटी क्या है? आदिवासी समुदाय के विकास की पड़ताल अमूमन पक्की सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी योजनाओं के भारी-भरकम आंकड़ों से ही शुरू होती है। बेशक, किसी भी समाज की तरक्की के लिए इन बुनियादी सुविधाओं का होना पहली शर्त है। बीते कुछ वर्षों में केंद्र और राज्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर केंद्रित कई नीतियां बनाई हैं। 'पीएम-जनमन' और 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। धरती आबा अभियान के जरिए 17 मंत्रालयों की 25 योजनाओं को मिलाकर 63,843 आदिवासी गांवों के विकास का 'मास्टरप्लान' तैयार किया गया है, ताकि आने वाले पांच वर्षों में पांच करोड़ से अधिक आदिवासियों तक इसका सीधा फायदा पहुंच सके। लक्ष्य बढ़ा है, लेकिन यहीं से आदिवासी विकास का असली विमर्श शुरू होता है। सवाल यह नहीं कि योजनाएं हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनका लाभ मिला या नहीं। अगर कोई सुविधा मिली, तो क्या वह अक्सर में बदली? अगर अवसर मिला, तो क्या वह अधिकार में तब्दील हुआ? अगर इन सवालों के जवाब 'हां' हो, तभी कोई सड़क महज रास्ता न रहकर विकास की रेखा बन पाती है।

शिक्षा और संस्कृति – आदिवासी बच्चों की शिक्षा पर हमारी सोच अक्सर स्कूल के गेट पर खत्म हो जाती है। बच्चा स्कूल पहुंच गया, दाखिला हो गया मतलब सब ठीक हो गया। मगर असल कहानी इस चौखट के भीतर से शुरू होती है। सरकार कागजों पर एकलव्य विद्यालयों के आंकड़े गिनाती है- 728 स्कोल, 518 चालू और 1.70 लाख बच्चे। मगर इमारतों से ज्यादा जरूरी उनके भीतर की हकीकत है। क्या वहां पर्याप्त शिक्षक हैं? क्या शुरुआती पढ़ाई उनके अपने परिवेश से जुड़ती है? जब बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए परिवार से दूर इन आवासीय विद्यालयों में रखा जाता है, तो उनकी सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की जिम्मेदारी और भी गंभीर हो जाती है। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में आदिवासी आश्रम स्कूल में बिस्तर के अभाव में जमीन पर सो रही तीन बच्चियों की साप के काटने से हुई मौत का



मामला इसी सवाल को सामने लाता है। एकलव्य विद्यालयों में स्थानीय भाषाओं और संस्कृति को जगह देने की पहल जरूर की गई है, लेकिन सिर्फ व्यवस्था बना देना काफी नहीं। स्थानीय भाषा से परिचित शिक्षक न हों, तो बच्चों से सहज संवाद मुश्किल होता है। कई जगह यह व्यवस्था महज खानापूत साबित हो रही है। शिक्षा आदिवासी बच्चों को आगे बढ़ाए, लेकिन उनकी भाषा और पहचान को पीछे छोड़े बिना। यही संतुलन शिक्षा को सही मायने में अवसर बना सकता है।

सुविधाओं की हकीकत – आदिवासियों के स्वास्थ्य की सच्चाई सिर्फ अस्पतालों या स्वास्थ्य केंद्रों की गिनती से तय नहीं होती। मीलों का सफर, आने-जाने का खर्च और स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक एवं दवाओं की गैरमौजूदगी, सुविधाओं की इन इमारतों को बेमानी कर देती है। मातृ स्वास्थ्य से लेकर कुपोषण और मलेरिया जैसी समस्याएं इसी आधी-अधूरी व्यवस्था का नतीजा है। 'पीएम-जनमन' के तहत चल रही 800 से ज्यादा सचल चिकित्सा इकाइयां एक अच्छी पहल जरूर हैं, लेकिन इनका कभी-कभार गांव पहुंचना और जरूरत पड़ने पर (जैसे सुरक्षित प्रसव या गंभीर बीमारी में) तुरंत इलाज मिलना, दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं। आदिवासी आबादी को प्रभावित करने वाली आनुवंशिक बीमारी 'सिकल सेल' इस चुनौती की सबसे बड़ी मिसाल है। सरकारी अभियान के तहत 16 जुलाई,

2026 तक 7.24 करोड़ लोगों की जांच हुई, जिनमें से इस बीमारी के 2,47,961 मरीज पाए गए, जबकि 20,35,181 लोगों की पहचान इस बीमारी के वाहक के रूप में की गई। मगर हकीकत इन आंकड़ों से भी परे है। वर्ष 2026 में राजस्थान के अध्ययन और महाराष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि मीलों दूर स्वास्थ्य केंद्र, महंगा इलाज, खस्ताहाल दांचा और कर्मियों की कमी मरीजों के रास्ते की बड़ी दीवार है। बीमारी पकड़ में आने के बाद सुविधाओं के अभाव और सामाजिक झिझक के कारण नियमित जांच कराना बहुत कठिन हो जाता है।

आजीविका का आधार – आदिवासी समाज के लिए जल, जंगल और जमीन सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। उनकी रोजमर्रा की कई जरूरतें इन्हीं से जुड़ी हैं। ऐसे में किसी इलाके में खनन, उद्योग, सड़क या दूसरी परियोजना आती है, तो उसे सिर्फ विकास कह देना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि उससे स्थानीय लोगों की जमीन, आजीविका और पर्यावरण पर क्या असर पड़ा तथा फैसले में उनकी आवाज कितनी शामिल थी। इस संदर्भ में वन अधिकार कानून, 2006 महत्वपूर्ण है। इसके तहत जंगल पर लंबे समय से निर्भर परिवार और समुदाय अपने पारंपरिक अधिकारों की मान्यता के लिए दावा कर सकते हैं। 30 जून, 2026 तक देश भर में ऐसे 54 लाख से अधिक व्यक्तिगत दावे सरकारी महकमों को प्राप्त हुए थे, जिनमें

करीब 25.42 लाख को मंजूरी देकर अधिकार-पत्र दिए गए। इनमें से दस लाख से अधिक दावे अभी लंबित थे। इसी अवधि में 19,845 सामुदायिक वन अधिकारों को भी मान्यता दी गई। मगर कागज पर अधिकार मिलना और जमीन पर उसका लाभ मिलना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कई जगह प्रक्रिया की जानकारी का अभाव, दस्तावेजों की जटिलता और प्रशासनिक अड़चनें रास्ता रोक देती हैं। आदिवासी इलाकों से पलायन को सिर्फ रोजगार की तलाश मान लेना तस्वीर के एक हिस्से को ही दर्शाता है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के मुताबिक, करीब अस्सी फीसद आदिवासी आबादी खेती और जंगल आधारित आजीविका पर निर्भर है। ऐसे में अगर जमीन, वन उपज और स्थानीय काम के अवसर कमजोर पड़ते हैं, तो गांव में टिके रहना भी मुश्किल होता जाता है। सवाल यह भी है कि क्या विकास गांव में इतनी आजीविका छोड़ रहा है कि लोगों को अपनी जमीन और घर छोड़कर रोजी की तलाश में बाहर न जाना पड़े?

निर्णय में भागीदारी – जीडीपी की बहसों के बीच क्या हमारी नजर कभी उस अर्थव्यवस्था पर जाती है, जो पूरी तरह आदिवासी महिलाओं के कंधों पर टिकी है? महुआ बीनने से लेकर घर और खेत तक- यह वह श्रम है, जो कहीं दर्ज नहीं होता। मगर विडंबना देखिए, जब भी जल, जंगल या जमीन की नीतियां बदलती हैं, सबसे गहरी चोट इन्हीं पर पड़ती है। 'वन धन विकास केंद्र' जैसी योजनाएं कामजों पर शानदार लगती हैं। अगरस्त 2026 तक के सरकारी आंकड़ों में ऐसे हजारों केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। मगर जमीनी हकीकत में ये आंकड़े तब तक बेमानी हैं, जब तक महुआ और शहद जैसे उत्पादों का आदिवासियों को उचित दाम नहीं मिल पाता। बदलाव तब दिखेगा, जब मुनाफे का सीधा हिस्सा संबंधित आदिवासी महिलाओं की मुठ्ठी में जाएगा। बात सिर्फ रोजगार की ही नहीं, बल्कि उनके अपने ही संसाधनों पर हक की भी है। इसके साथ ही आदिवासी युवाओं के लिए नजरिए को भी बदलना होगा। उन्हें सिर्फ 'कौशल विकास' के प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि अपना काम शुरू करने के लिए आसान पूंजी और डिजिटल बाजार तक ठोस पहुंच भी जरूरी है। आदिवासी विकास की असली कसौटी यही है कि नीतियां उनके लिए नहीं, उनकी भागीदारी से बनें। ग्रामसभा, महिलाओं, युवाओं और उनके अनुभवों एवं समझ को फैसले की प्रक्रिया में जगह मिलनी चाहिए।

ग्लोबल मिशन पर निकलेंगे पीएम मोदी,दिसम्बर में यूएस,कनाडा, यूरोप यात्रा से नया इतिहास रचने की तैयारी

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी के इस कूटनीतिक अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव अमेरिका हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के 14-15 दिसंबर को मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना है। यदि यह यात्रा होती है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय मुलाकात का भी रास्ता खुल सकता है। भारत की कूटनीतिक गतिविधियां दिसंबर महीने में एक बड़े रणनीतिक अभियान का रूप लेने जा रही हैं और अब पूरी दुनिया मोदी की कूटनीति का कमाल देखने वाली है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित बहु-देशीय यात्रा में अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कम से कम दो देशों को शामिल किए जाने की तैयारी की खबर है। हालांकि विदेश और वैश्विक शांति-संतुलन को साधने के अवसर के रूप में देख रहा है। मोदी के इस कूटनीतिक अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव अमेरिका हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के 14-15 दिसंबर को मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना है। यदि यह यात्रा होती है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय मुलाकात का भी रास्ता खुल सकता है। इसी मंच पर चार देशों के

समूह क्रॉड की संभावित बैठक भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होगी। देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में इस समय व्यापार और रूस से जुड़े मुद्दे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर लगभग सहमति बन चुकी है, लेकिन इसे लागू करने से पहले भारत अपने निर्यातकों के हित और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को सुनिश्चित करना चाहता है। साफ है कि मोदी सरकार सिर्फ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए जल्दबाजी में नहीं है, बल्कि वह ऐसा करार चाहती है जिसका सीधा और ठोस फायदा भारतीय उद्योग और निर्यातकों को मिले। यहीं से भारत की कूटनीति का दूसरा और अधिक कठिन पक्ष सामने आता है। अमेरिका ने रूस और ईरान से जुड़े नए प्रतिबंध कानून के जरिए रूस की ऊर्जा खरीद और रखने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाने की संभावना का रास्ता खोला है। इसका सीधा असर भारत की ऊर्जा रणनीति पर पड़ सकता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लैक के साथ बातचीत में भारत की आर्थिक और रणनीतिक चिंताओं को रखा। अमेरिका की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर साझेदार देशों की चिंताओं को ध्यान में रखा जाएगा। यहां भारत की नीति को समझना जरूरी है। नई दिल्ली न तो रूस से संबंध तोड़ रही है और न ही अमेरिका से दूरी बना रही है। सितंबर में मोदी और व्लादिमीर पुतिन की

मुलाकात में ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा हुई। मोदी ने रूस के सामने भी युद्ध को समाप्त करने और संवाद व कूटनीति के रास्ते आगे बढ़ने की बात रखी। इसी दौरान भारत के विदेश मंत्री की यूक्रेन यात्रा ने यह संदेश दिया कि भारत केवल एक पक्ष से बात करने वाली शक्ति नहीं, बल्कि अलग-अलग शक्ति केंद्रों से संवाद बनाए रखने वाला देश है। यही इस वर्ष की भारतीय कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यूक्रेन युद्ध जारी है, पश्चिम एशिया में संघर्ष और ऊर्जा आपूर्ति पर संकट की आशंका बनी हुई है, अमेरिका-रूस तनाव गहरा रहा है और चीन के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। ऐसे वातावरण में भारत ने रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के साथ व्यापार तथा रणनीतिक सहयोग बढ़ाया, यूरोप के साथ आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी मजबूत की और यूक्रेन के साथ शांति संबंधी संवाद जारी रखा। उधर, यूरोप के मोर्चे पर भारत को बड़ी उपलब्धि मिल चुकी है। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी 2026 को मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता पूरी की। सितंबर में यूरोपीय आयोग ने समझौते को हस्ताक्षर और अनुमोदन के लिए परिषद के समक्ष पेश कर दिया। प्रस्तावित समझौते के तहत यूरोपीय संघ के भारत को होने वाले 96 प्रतिशत से अधिक माल निर्यात पर शुल्क घटाने या समाप्त करने की व्यवस्था है। इसलिए दिसंबर में ब्रसेल्स में औपचारिक हस्ताक्षर की संभावना केवल व्यापारिक

घटना नहीं होगी; यह भारत-यूरोप संबंधों के व्यापक रणनीतिक विस्तार का प्रतीक भी बन सकती है। कनाडा भी इसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मार्च 2026 में मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया था। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर तक ले जाने की महत्वाकांक्षा भी जताई है। कार्नी ने जून में मोदी के साथ मुलाकात के दौरान संबंधों में सकारात्मक गति और आपूर्ति शृंखलाओं, ऊर्जा तथा खाद्य सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया था। यदि दिसंबर में कनाडा और ब्रसेल्स के पड़ाव जुड़ते हैं तो भारत एक ही यात्रा में उत्तर अमेरिका और यूरोप के दो महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों से संबंधों को नई दिशा दे सकता है। जर्मनी में अंतर-सरकारी परामर्श की संभावित बैठक इस कूटनीतिक अभियान को और व्यापक बना सकती है। देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सामरिक अर्थ केवल इतना नहीं है कि भारत नए बाजार खोल रहा है। असली लक्ष्य आपूर्ति शृंखलाओं का विविधीकरण, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, रक्षा साझेदारी और किसी एक शक्ति-केंद्र पर अत्यधिक निर्भरता से बचाव है। भारत-यूरोपीय संघ के बीच जनवरी में हुए समझौते के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी भी आगे बढ़ी है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और आतंकवाद-रोधी सहयोग शामिल है।

वर्ग पहेली 6228

1	2	3	4	5	6
7					8
				9	
10	11			12	
			13		
14					
				15	16
17				18	

संकेत:- बाएं से दाएं

- 1961 को दस अमेरिका के प्रथम अखिल एंव 44 वें राष्ट्रपति ने जन्म लिया था (6)
- विश्वकन्या या सम्मानन करना (5)
- सड़क, मार्ग (अंग्रेजी) (2)
- पहल-पहल पर घंटा बजने का शब्द, समय थोप (3)
- चोचला, उत्सुक, हाव-भाव (3)
- अज्ञात, अप्रसिद्ध, नामहीन, अछछात (4)
- दूरदर्शन पर पूर्ण प्रसारित भारवाहिक महाभारत के सीरीलकार (5)
- युवराज, नवजातपुत्र, पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता (5)
- भावान, ईश्वर, प्रभु (4)
- जिंदगी, इयात, पुरानी फिल्मों के ये अभिनेता अपनी खल-भूमिका के लिए जाने जाते थे (1915-1987) (3)

ऊपर से नीचे

- यह अरब देश है जिसमें 33 छोटे-छोटे द्वीप शामिल हैं इस देश की राजधानी नमाना है (4)
- लार, वालिन, गैर (2)
- क से इ तक की वर्णमाला (4)
- अभिमुखता, दिशा में, तरफ (2)
- वेप, विल्यास, पहनावा, पोशाक (2)

- मुगल शासक अकबर के शासन काल में नवरत्नों में से एक थे जिसने भूमि पैदाईश का अयोग्य किया था (5)
- वह डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (5)
- गुश्तखु, महक, संगीत का विरोधी कंपन (3)
- परस्पर निर्वाह या जीवन निर्वाह, रास्त (3)
- महर्षि वाल्मीकि का प्रसिद्ध पौराणिक ग्रंथ (4)
- प्रेम करना, अजीब मानना, दिल में जगह देना, मन लगाना, रीहान (3)
- 332 द्वीप वाले द्वीपसूत्र की राजधानी सुवा है (3)
- गौरव की भावना, प्रतिज्ञा, संकल्प (2)

वर्ग पहेली 6227 का हल

ज	य	द	व	ख	के	त
न	म	न	व	त	प	फ
द	दा	वा	हि	स	क	
वा	व	र	गा	ड़	र	
	र	रे	रत्ता	भू		
अ	रहे	म	खे	नी	प	त
दू	रा	ना			न	
ट	ह	ल	ना	त	प	व

कितने मांझी

(अक्षय शुक्ला)

पुरानी कहावत है- अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। यानी कोई बड़ा या मुश्किल काम एक अकेला व्यक्ति नहीं कर सकता। इसके लिए उसे कई लोगों के साथ या सहयोग की जरूरत पड़ती है। हालांकि अपनी धुन के पक्के कई धुरंधर इस कहावत को झुलता रहे हैं। 21 साल के सुरेंद्र सिंह चौधरी उर्फ बिट्टू तबाही को ही देख लीजिए, जिसने अपने दम पर मध्यप्रदेश की अजगर नदी की तस्वीर बदल दी। चार सिस्टम सो रहा था, तब दिन रात कड़ी मेहनत से इस युवा ने नदी में फैले कचरे और प्लास्टिक को खुद ही निकाल फेंका। सोशल मीडिया पर वह ऐसा वायरल हुआ कि नीदरलैंड का संस्था राई ओशन क्लीनअप ने तो उसे अपने साथ काम करने का ऑफर दे दिया। लेकिन बिट्टू को लगता है कि इस देश को उस जैसे जागरूक लोगों की ज्यादा जरूरत है। इसलिए बेंगलुरु के जंगलों से कचरा उठाते हुए वह दिल्ली एनसीआर पहुंच गया उस मैली यमुना को साफ करने, जिसका उद्धार करने का काम यहां की सरकारों का था लेकिन वे बस दावे ही करते रहे।

नाकारा सिस्टम को आइना दिखाने वाले ऐसे चुनूनियों की कभी कमी नहीं रही। पहला बड़ा उदाहरण दशरथ मांझी के रूप में सामने आया था, जिसने अपने जज्बे और जिद से पहाड़ का सीना चीर दिया। बिहार में गया के गहलौर गांव निवासी मांझी की पत्नी समय पर इलाज न मिलने

से चल बसीं क्योंकि पहाड़ के उस पार स्थित अस्पताल का रास्ता लंबा था। मांझी ने 22 साल तक छैनी हथौड़ा चलाकर उस पहाड़ को चीरकर रास्ता बना दिया, जिससे 80 किलोमीटर की दूरी घटाकर 13 किलोमीटर रह गई। आज देश में ऐसे मांझियों की कमी नहीं। कोई पॉण्ड में न बनकर विलुप्त हो चुके तालाबों को पुनर्जीवित कर रहा, कोई समुद्र तटों को कचरा मुक्त करने के मिशन में जुटा है, कोई कई किमी लंबी नहर खोदकर अपने सुखाग्रस्त इलाके तक पानी ले आया, किसी ने बंजर जमीन पर हजारों पौधे लगाकर जंगल खड़े कर दिए तो किसी ने गांव तक रास्ते बना दिए। युवाओं का एक स्वयंसेवी संगठन टीम रामदूत रिस्टोर्स ऐतिहासिक धरोहरों, प्राचीन मंदिरों और बाबाईयों की सफाई कर उन्हें उनका मूल स्वरूप प्रदान करने में जुटा है। हाल ही में चोरी चौरा के दो युवकों ने गोरखपुर में तरकुलहा देवी मंदिर के गंदे पड़े पोखर को साफ कर काफी वाहवाही बटोरी।

व्यवस्था के लिए ये तस्वीर कितनी शर्मनाक है कि जो काम करोड़ों के फंड लिए बैठे विभागों का है, उसे एक आम आदमी अंजाम दे रहा है। लगता है एनसीआर की सड़कों के गड्ढों को भरने के लिए भी किसी बिट्टू या मांझी को ही पहल करनी पड़ेगी क्योंकि यहां के जिम्मेदार तो अपने सीएम की भी नहीं सुनते, जो पिछले एक साल से कितने ही फरमान जारी कर चुके हैं।

आज का राशिफल



मेष

आज पारिवारिक जीवन के मामले में सुखद रहेगा। पारिवारिक जीवन के मामले में सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम को पूरा करने के लिए तयपर रहेंगे और सहकर्मियों से आपको सहयोग मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि टीम वर्क का भी आपको फायदा मिलेगा।



मिथुन

आज,आपको समय प्रबंधन करना होगा। दिन कामकाज के लिहाज से अनुकूल रहेगा। कुछ पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से आपको समय प्रबंधन करना होगा। आर्थिक मामलों में दिन खर्चीला रहेगा, कुछ अप्रत्याशित खर्च का भी आपको सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन आपको सुखद रहेगा।



सिंह

आजजोखिम भरे काम से आपको बचना होगा। दिन मिलाजुला रहेगा। छोटी अवधि के निवेश के लिए एक दिन आपके पक्ष में नहीं है इसलिए आपको इससे बचने की जरूरत है। आपके लिए सितारे बताते हैं कि आपको दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।



वृष

आज मानसिक तनाव महसूस करेंगे। दिन मिलाजुला रहेगा। आपको किसी बात को लेकर मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सेहत के मामले में भी आपको अपना ध्यान रखना होगा। नौकरी में आपके ऊपर काम का दबाव रह सकता है। बैंकिंग से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी। भाई बहनो से आपको सहयोग मिलेगा।



कर्क

आजप्रतिष्ठा और लाभ में वृद्धि होगी। दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। आप बिजनेस में आर्थिक लाभ प्राप्त कर पाएंगे। कॉचिंग और शिक्षण के काम से जुड़े जातकों के लिए भी दिन अनुकूल रहेगा, प्रतिष्ठा और लाभ में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन सुखद होगा।



कन्या

आज,प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी। आपका मनोबल ऊंचा रहेगा। प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार में आपको लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको वरिष्ठ व्यक्तियों से सहयोग मिलेगा। पिता और पैतृक पक्ष से लाभ मिलने का संयोग बनेगा। आपको कोई पुरानी चाहत पूरी होने की खुशी मिलेगी।



तुला

आज,आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। बिजनेस में आपको अच्छी डील मिलेगी। सामाजिक परिचय का भी आपको लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और अधिकारियों से आपको सहयोग मिलेगा। लव लाइफ में आपको प्रेमी से सहयोग और सपोर्ट मिलेगा।



धनु

आज आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। नौकरी में आपका काम सुचारु रूप से चलेगा। आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। बिजनेस में कमाई से मन आनंदित होगा। परिवार से भी आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता रहेगी। कोई प्रसन्नतादायक खबर भी मिलेगी।



कुंभ

आज,लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा। आपको कारोबार और काम में लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा। आपकी कोई चाहत भी पूरी होगी और लंबे समय से अटक रहा आपका कोई काम भी पूरा हो सकता है। भाई बहनो से किसी बात को लेकर तनाव चल रहा है तो उसे दूर कर पाने में आप सफलता पाएंगे।



वृश्चिक

आज काम में आपको लाभ मिलेगा। भाई बहनो से आपको सहयोग मिलेगा। प्रौपटी के काम में आपको लाभ मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से संबंधित कोई काम है तो इसमें आपको सफलता मिलेगी। रुचिकर खानपान का भी आप आनंद ले पाएंगे। साहसिक निर्णय और प्रबंधन क्षमता का फायदा मिलेगा।



मकर

आज टीम वर्क का फायदा मिलेगा। दिन कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। कोई कचहरी से जुड़े काम में आपको सफलता मिलेगी। नौकरी में आप टीमवर्क से काम को समय से पूरा कर पाएंगे। साझेदारी के काम में आपको फायदा मिल सकता है। किसी मित्र या सगे संबंधी की मदद करनी पड़ सकती है।



मीन

आज,प्रबंधन क्षमता का फायदा मिल सकता है। दिनअनुकूल बीतेगा। आपको विदेशी क्षेत्र से और प्रबंधन क्षमता का फायदा मिल सकता है। आर्थिक मामलों में आप बजट को संतुलित रख पाएंगे। मित्रों और पड़ोसियों से आपको सहयोग मिल पाएगा। कार्यक्षेत्र में काम में तेजी रहेगी।



संक्षिप्त

समाचार

पैसों को लेकर विवाद, पुलिस स्टेशन के अंदर सत्ताधारी शिवसेना नेता पर हमला

ठाणे , एजेंसी। कोपरी पुलिस स्टेशन में उस जबरदस्त इगामा हो गया जब सत्ताधारी पार्टी शिवसेना से जुड़े युवा नेता सिद्धेश अभगे पर कथित तौर पर स्टेशन के अंदर हमला किया गया। इस घटना के बाद कोपरी इलाके में कुछ देर के लिए तनाव फैल गया। उन्होंने बताया कि यह झगड़ा अभगे और टेक्स्टाइल के कारोबार से जुड़ी कुछ महिलाओं के बीच पैसे के लेन-देन को लेकर हुआ था। जब विवाद बढ़ गया, तो दोनों पक्ष मामले को सुलझाने के लिए कोपरी पुलिस स्टेशन पहुंचे। लेकिन पुलिस ने बताया कि स्टेशन के अंदर बहस होने पर स्थिति तेजी से बेकाबू हो गई। उन्होंने बताया कि एक महिला व्यवसायी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर पुलिस स्टेशन के अंदर अभगे पर हमला किया। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत बीच-बचाव किया और झगड़ रहे पक्षों को अलग करके स्थिति को काबू में किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में सबूत दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और हमले की जांच के लिए दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

गर्लस हॉस्टल के खाने में कीड़े, नामी यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने कैंपस में किया विरोध प्रदर्शन

देहरादून , एजेंसी। देहरादून की दून यूनिवर्सिटी के अलकनंदा गर्लस हॉस्टल में परोसे गए खाने में कथित तौर पर कीड़े मिलने के बाद छात्राओं ने यूनिवर्सिटी कैंपस में विरोध-प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में इकठ्ठा होकर छात्राओं ने नारे लगाए और खाने की क्वालिटी की जांच और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। खाने में कीड़े मिलने से छात्राएं नाराज हो गईं। विरोध-प्रदर्शन के दौरान उन्होंने वाइस चांसलर के खिलाफ भी नारे लगाए और काफी देर तक प्रदर्शन करती रहीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारी छात्राओं को शांत करने की कोशिश की। हालांकि, छात्राएं अपना विरोध जारी रखती रहीं और हॉस्टल में परोसे जा रहे खाने की क्वालिटी की गहन जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग करती रहीं। प्रदर्शनकारी छात्राओं ने जोर देकर कहा कि इस कथित लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस मामले की जांच की भी मांग की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट की बार-बार कोशिशों के बावजूद, काफी देर तक विरोध-प्रदर्शन चलता रहा और आखिरकार छात्राएं शांत हुईं। हॉस्टल प्रशासन ने अब इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अपनी चिताएं जाड़िर करते हुए छात्राओं ने कहा कि वे पढ़ाई के लिए अपना घर छोड़कर आई हैं और खाने-पीने व रहने का खर्च उठा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सुविधाओं के लिए पैसे देने के बावजूद प्रशासन खाने की क्वालिटी से समझौता कर रहा है और छात्राओं की सेहत की कोई परवाह नहीं कर रहा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और छात्राओं ने जांच के नतीजों का इंतजार करते हुए अपना विरोध-प्रदर्शन खत्म कर दिया है।

यूपी: हेलमेट लगाने को लेकर प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला, अब पीछे बैठने वाले के लिए भी लगाना हुआ अनिवार्य

लखनऊ, एजेंसी। अब बाइक पर पीछे बैठने वाले ने हेलमेट नहीं लगाया तो वाहन का ऑनलाइन चालान कटेगा। 1 ई चालान की अब जो नई व्यवस्था लागू होगी उसमें यह विकल्प रहेगा जिससे चालान किए जाएंगे। पहले सिर्फ बाइक चालक के हेलमेट न लगाने पर चालान काटने का प्रावधान था। काफी समय पहले से बाइक के सहयात्री को भी हेलमेट अनिवार्य किया जा चुका है, जिससे हादसों में लोगों की जान बच सके। मगर बाइक सवार इनका उल्लंघन करते हैं। पर, अब नई व्यवस्था में सहयात्री को भी हेलमेट आवश्यक रूप से लगाना होगा। वर्तमान में यातायात विभाग चालान प्रणाली को अपडेट कर रहा है, जिसमें सहयात्री के हेलमेट न लगाने पर चालान की व्यवस्था होगी। एक निश्चित राशि का भुगतान वाहन स्वामी को करना होगा। ये चालान एप और आईटीएमएस के कैमरों से किए जा सकेंगे। वही, फोटो वितरक करके भी चालान हो सकेगा। चालान प्रणाली अपडेट करने के लिए 21 सितंबर की रात से ई चालान बंद है। डाटा नए सिस्टम में ट्रांसफर करने का काम चल रहा है। जब पूरा डाटा नए सर्वर पर ट्रांसफर हो जाएगा, उसके बाद चालान शुरू होगा।

कुशीनगर में नारायणी नदी का तटबंध टूटा, कई गांवों में घुसा पानी, सीएम योगी ने राहत बचाव कार्य के लिए निर्देश

कुशीनगर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में सोमवार देर रात नारायणी नदी ने तबाही मचा दी। तमकुहीराज तहसील के तत्वा टोला के चैन पट्टे, जवहीं माली एहतमाली के पास नारायणी नदी का एपी तटबंध टूट गया, जिससे पानी तेजी से गांवों घुस गया। तटबंध टूटने की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हालांकि, राहत भरी बात यह रही कि अभी तक किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पहले ही प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया

है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात करीब 12 बजे नारायणी नदी का जलस्तर घटकर करीब 2 लाख 54 हजार क्यूसेक पहुंच गया था। जलस्तर कम होने के बाद नदी में कटान तेज होने और तटबंध में बने रेट होल और लगातार हो रहे सीपेज के चलते तटबंध टूटने की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हालांकि, राहत भरी बात यह रही कि अभी तक किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पहले ही प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया



आदित्यनाथ ने देर रात ही घटना का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में मंडलायुक्त, एडीजी और कुशीनगर के जिलाधिकारी से तत्काल पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावित ग्रामीणों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही

नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के बाद प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमों मौके पर सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देर रात तक पल-पल की स्थिति की जानकारी लेते रहे और अधिकारियों को प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। फिलहाल प्रशासन

की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित निकालना और तटबंध टूटने से प्रभावित इलाकों में राहत-बचाव कार्य को तेज करना है। एक स्थानीय निवासी सजीव यादव ने आईएनएस को बताया, 'रात करीब 10:00 से 10:30 बजे के बीच तटबंध टूट गया। यहां कोई इंतजाम नहीं है। जब कटाव शुरू हुआ, तो सभी अधिकारी और प्रशासन के लोग यहां से भागने लगे। मौके पर कोई मौजूद नहीं था। तटबंध टूटने के बाद जब डीएम और एसपी आए, तब बाकी लोग भी वहां पहुंचे। तीन दिन से धीरे-धीरे कर तटबंध कट रहा था। लगभग 2 किलोमीटर तक सीपेज है, जिसे बंद करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

प्रशासन ने तटबंध को बचाने के लिए पहले से कोई तैयारी नहीं की थी। यहां 10 दिन बाद ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। बाढ़ से प्रभावित लोग तटबंध या अपने रिश्तेदारों के घरों पर रह रहे हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए खाने-पीने की कोई व्यवस्था अभी तक नहीं हुई है।' एक अन्य स्थानीय निवासी ने कहा, 'करीब 100 मीटर तटबंध कटने से 20 से 25 गांव के लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी और विधायक हालात का जायजा लेने आए थे। तितेश सिंह ने बताया कि 70-100 मीटर तटबंध टूट गया है, जिससे कई गांव के लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से प्रभावित ग्रामीण सुरक्षित हैं।

हिमाचल: पूर्व पर्यटनमंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया नहीं रहे, दिल का दौरा पड़ने से निधन; प्रदेश में शोक की लहर



विधानसभा पहुंचे। इसके बाद 1985, 1990, 1993 और 2003 में भी उन्होंने शाहपुर का प्रतिनिधित्व किया। इस तरह करीब दो दशक से अधिक के चुनावी सफर में वह कुल पांच बार विधायक रहे। राजनीतिक जीवन में उन्होंने कांग्रेस के साथ-साथ जनता दल और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भी चुनाव लड़ा। शाहपुर की राजनीति में उनकी पकड़ लंबे समय तक बनी रही और कांगड़ा की राजनीति में भी उन्हें प्रभावशाली नेताओं में गिना जाता रहा।

दो बार प्रदेश सरकार में मंत्री रहे : मेजर मनकोटिया ने हिमाचल सरकार में दो बार मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। उनके राजनीतिक सफर के दौरान उन्हें पर्यटन, नागरिक उड्डयन और कानून जैसे महत्वपूर्ण विभागों से जुड़ी जिम्मेदारियां मिलीं। इसके अलावा वह हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के उपाध्यक्ष भी रहे। सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर लंबे समय तक सक्रिय रहने के कारण प्रदेश की राजनीति में उनकी अलग पहचान बनी।

चुनावी राजनीति में कई उतार-चढ़ाव : 2003 में पांचवीं बार विधायक बनने के बाद मनकोटिया को अगले चुनाव में सफलता नहीं मिली। वर्ष 2007 में वह शाहपुर से चुनाव हार गए। इसके बाद 2012 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे, लेकिन भाजपा की सर्वजोय चौधरी से पराजित हुए। वर्ष 2017 में उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में फिर चुनाव लड़ा। इस बार भी उन्हें सर्वजोय चौधरी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि वह दूसरे स्थान पर रहे और शाहपुर की राजनीति में उनकी सक्रियता बनी रही। बाद के वर्षों में उन्होंने भाजपा का दामन थामा। सक्रिय चुनावी राजनीति से दूरी के बावजूद उनका राजनीतिक अनुभव और क्षेत्र में संपर्क लगातार चर्चा में रहा।

वीरभद्र सिंह के साथ राजनीतिक मतभेद रहे चर्चा में : मेजर मनकोटिया का राजनीतिक जीवन कई चर्चित घटनाओं से भी जुड़ा रहा। तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के साथ उनके राजनीतिक मतभेद कई बार सार्वजनिक चर्चा में आए। दोनों नेताओं के बीच संबंधों में राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कुछ समय बाद परिस्थितियां बदलीं, लेकिन दोनों के बीच राजनीतिक टकराव हिमाचल की सियासत के चर्चित प्रसंगों में शामिल रहा। मनकोटिया अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते थे और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात बिना ज्यादा लाग-लपेट के रखने के लिए उनकी अलग पहचान थी।

निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया दुख : मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व ने गहरा शोक व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित कई नेताओं ने उनके निधन पर संवेदना जताई। भाजपा नेताओं ने कहा कि मनकोटिया का जीवन देश और प्रदेश की सेवा से जुड़ा रहा। सेना में अधिकारी के रूप में राष्ट्रसेवा करने के बाद उन्होंने जनप्रतिनिधि के तौर पर लोगों के बीच काम किया। जगत प्रकाश नड्डा ने मेजर मनकोटिया के निधन को हिमाचल के सार्वजनिक जीवन के लिए बड़ी क्षति बताया। उन्होंने उनके सैन्य जीवन और बाद के राजनीतिक योगदान को याद करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति मिलने की कामना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने मनकोटिया को स्पष्टवादी और निर्भीक नेता बताया। उन्होंने कहा कि लंबे सार्वजनिक जीवन के दौरान उन्होंने हिमाचल की राजनीति के कई महत्वपूर्ण दौर देखे और अपनी बात मजबूती के साथ रखने के लिए पहचाने गए। बिंदल ने कहा कि सैनिक से लेकर जनप्रतिनिधि और मंत्री तक का उनका सफर सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।

सीएम शिवकुमार ने पश्चिमी घाट और सूखे के मुद्दों पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि वे उनके नेतृत्व में एक ऑल-पार्टी डेलीगेशन को वेस्टर्न घाट पर के. कस्तूरिरंगन कमेटी की सिफारिशों और राज्य में सूखे सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समय दें। हालांकि शिवकुमार ने कहा कि उन्हें अभी कन्फ्रेंशन नहीं मिला है।

खास बात यह है कि पिछले हफ्ते, कर्नाटक विधानसभा ने एक राय होकर वेस्टर्न घाट की मौजूदा हालत पर पैनल की सिफारिशों पर बंगलूरु से पढ़ाई की। इसके बाद लंदन में नौकरी मिली। हालांकि, सब कुछ हासिल कर लेने के बाद भी उन्हें अपने देश से दूर होने का खालीपन महसूस होता रहा। उन्होंने लिखा था कि उनकी शिक्षा, आत्मविवश्रवास और दुनिया में कहीं भी फिर उठकर चलने की ताकत इसी देश की मिट्टी का कर्ज है।



शाम कर्नाटक भवन में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने प्रधानमंत्री से कस्तूरियन रिपोर्ट और सूखे से जुड़े ऑल पार्टी डेलीगेशन के लिए हमें समय देने का अनुरोध किया है।' राज्य में सूखे की हालत की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 200 से ज्यादा तालुक लगभग सूखे से प्रभावित घोषित होने वाले हैं। इसलिए, यह बहुत गंभीर चिंता की बात है। प्रधानमंत्री ने हमें पहले ही चेतावनी दी थी, (ध्दर) की सीमाओं में कमियों का रिव्यू करने की मांग की। सोमवार

बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। हम बहुत सारी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसलिए उससे जुड़ी, हमने विधानसभा में भी एक अलग चर्चा की। मैंने समय मांगा है, मुझे उम्मीद है कि मुझे जल्द से जल्द समय मिल जाएगा। मेकेंदातु डैम के मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र ने मामले को देखने के लिए एक टीम भेजी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अधिकारियों को यकीन हो गया है कि ऐसी कोई जगह नहीं है जहां मेकेंदातु के पानी का इस्तेमाल सिंचाई के लिए किया जा सके। टीम ने यही देखा है। उन्होंने पूरे इलाके को देखा है। बस तीन, चार किलोमीटर बाढ़ मेकेंदातु डैम तमिलनाडु बॉर्डर के ठीक पीछे होगा। शिवकुमार ने आगे कहा, 'कोई जगह नहीं है। हम इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते, और उन्होंने उन जगहों को भी देखा है

जहाँ बैंगलोर वॉटर सप्लाई को भी जोड़ा जा रहा है। इसलिए इसका गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, जैसा कि तमिलनाडु का अंदाज़ है।' शिवकुमार ने कहा कि इस बारे में आने वाले दिनों में कुछ फॉर्मल मीटिंग होगी। उन्होंने कहा, 'मैंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से मीटिंग टालने की रिवेस्ट की है। मैं उनसे रिवेस्ट करूँगा, जब भी उन्हें सही समय लगेगा, हम मीटिंग में हिस्सा लेंगे और सोच-विचार करेंगे और कुछ समझने की कोशिश करेंगे।

सोमवार दोपहर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे शिवकुमार ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ अपनी मीटिंग के बारे में भी बताया. सिंह के साथ अपनी मीटिंग के दौरान, उन्होंने राज्य से जुड़े कई मुद्दे उठाए, जो डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़े हैं।

उत्तरकाशी: कालिंदी खाल में फंसे सभी 19 ट्रेकर्स का सफलतापूर्वक रेस्क्यू, माउंट जोगिन से भी निकाले गए 9 पर्वतारोही



उत्तरकाशी , एजेंसी। जनपद के उच्च हिमालय क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बीच फंसे ट्रेकर्स और हेलपर्स को सुरक्षित निकालने के लिए मंगलवार को एक बार फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया. उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौसम की चुनौती के बीच सिर्फ आश्वासना ही मिला. उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर निर्माण कार्य में तेजी न लाई गई तो वे शिमला जाएंगे और मुख्यमंत्री के सामने पूरी स्थिति रखेंगे. ग्रामीण योजना की जांच करवाने, निर्माण कार्य में तेजी लाने और जल्द सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे हैं।

अभियान चला. मंगलवार सुबह से ही रेस्क्यू टीमों ने अभियान को गति दी. बचाव कार्य में एसडीआरएफ को जवानों के साथ अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमों भी सहयोग कर रही हैं. अभियान के दौरान आज मंगलवार को चार व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर हर्षिल हेलीपैड पहुंचाया गया. यहां से उन्हें आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की व्यवस्था की गई है. इस तरह खालिंदी खाल में फंसे सभी 19 ट्रेकर्स रेस्क्यू कर लिए गए हैं. **हेलीपैड पर बनी राजनीति, समन्वय के बाद शुरू हुआ अभियान:** हर्षिल हेलीपैड पर अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा की मौजूदगी में रेस्क्यू अभियान में लगे सभी संबंधित कार्मिकों और हेलीकॉप्टर के पायलट के साथ आवश्यक समन्वय किया गया. उच्च हिमालयी क्षेत्र की परिस्थितियों, मौसम, भौगोलिक स्थिति और सुरक्षित निकासी के विकल्पों पर चर्चा के बाद रेस्क्यू की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई. इसके बाद सभी टीमों ने आपसी समन्वय के साथ निर्धारित योजना के अनुसार अभियान शुरू किया. अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा का कहना है कि- 'उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौसम तेजी से बदल रहा है. ऐसे में बचाव सबसे महत्वपूर्ण है. इसी को ध्यान में रखते हुए रेस्क्यू टीमों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।

सोमवार को दिन भर रेस्क्यू



नरेंद्र को मिला ब्रॉन्ज, अंकुश पंधाल फाइनल में पहुंचे



निशियो । एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंधाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फर्जलीदीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सर्स में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया। नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलवे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए। ओरलवे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड

चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके। ओरलवे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे लगे। दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से जीत हासिल की। इस बीच, अंकुश, अमित पंधाल (49 किग्रा) के 2018 जकार्ता गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद एशियाड फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बन गए हैं। यह मौजूदा गेम्स में बॉक्सिंग में भारत का दूसरा पक्का सिल्वर मेडल था। इससे पहले, परवीन हुड्डा ने चीन की ली शु को 5-0 से हराकर महिलाओं के 65 किग्रा इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। परवीन का गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला चीनी ताइपे की चेन निपन-चिन से होगा।

यशवीर को सिल्वर, रोहित ने जीता ब्रॉन्ज

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में भारत ने दो मेडल हासिल किए। यशवीर सिंह ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीता, जबकि रोहित यादव ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता का गोल्ड मेडल श्रीलंका के रमेश थारंगा ने हासिल किया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत के यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के सर्वश्रेष्ठ श्रो के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। यशवीर ने अपने छठे प्रयास में 85.72 मीटर की दूरी तय की। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.14 मीटर था। रोहित ने पहले प्रयास में 83.56 मीटर, दूसरे में 82.99 मीटर, तीसरे में 82.42 मीटर और चौथे प्रयास में 84.31 मीटर की दूरी तय की। उनका का पांचवां प्रयास 85.14 मीटर रहा था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम प्रयास में सबसे अधिक दूरी तय की। वहीं, रोहित यादव ने 84.35 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। रोहित ने अपने तीसरे प्रयास में यह दूरी तय की थी। रोहित ने पहले प्रयास में 77.25 मीटर, दूसरे में 82.40 मीटर, तीसरे में 84.35 मीटर, चौथे में 82.16 मीटर और पांचवें प्रयास में 82.15 मीटर का श्रो किया।



एशियन गेम्स: गोल्ड जीतने के बाद बोलीं ट्रैप शूटर नीरू

मेडल की अहमियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता

आइची नागोया, एजेंसी
ट्रैप शूटर नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स 2026 में भारत को पांचवां गोल्ड मेडल दिलाया है। अपने

यह एक खूबसूरत एहसास है...

गोल्ड मेडल जीतने के बाद नीरू ढांडा ने 'इस मेडल की अहमियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह एक एहसास है। कुछ चीजें शब्दों में बताने के बजाय महसूस करने के लिए होती हैं। मैं यह मेडल भारत को, अपने परिवार को, अपने कोच मनशेर सिंह को और राजा रणधीर सिंह को समर्पित करती हूँ, जिन्होंने 1978 में गोल्ड

मेडल जीता था। इस साल उनका निधन हो गया था।' युवा एथलीटों को अपने खास संदेश में उन्होंने कहा कि आप सभी को नीरू से आगे जाना है। आप जहां भी हैं, वहां से आगे बढ़ने और बेहतर मनोदशा से काम करने की कोशिश करें। नीरू ढांडा ने ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल भी जीता। इसमें उनकी साथी खिलाड़ी आशिमा अहलावत ने आईएनएस से कहा, 'यह प्रदर्शन करना आसान नहीं था। पिछले एक-दो दिन से कतर और कुवैत के साथ बहुत करीबी मुकाबला चल रहा था। आज के मौसम में हमारी बहुत मदद की। दूसरे देश इससे बच नहीं पाए, लेकिन हम इस मौसम में बच गए और ब्रॉन्ज से सिल्वर मेडल पर आ गए। यह बहुत अच्छा लग रहा है। बेशक, भारत में हमें बारिश में शूटिंग करने की आदत है, हमारे सिलेक्शन ट्रायल और ट्रेनिंग भी ऐसे ही हालात में होते हैं, इसलिए मौसम ने हम पर ज्यादा असर नहीं डाला या हमें घुटन नहीं हुई। कई दूसरे देशों को इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने इस मौसम में भी कोशिश की और सिल्वर मेडल जीता।'

राष्ट्रपति
मुर्मू और खेल
मंत्री ने दी
बधाई

पहले ही एशियन गेम्स में एशियन रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीतकर नीरू ने इतिहास रचा है। नीरू ने महिलाओं की ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट के फाइनल में 28 के एशियन रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता है। एशियन गेम्स के इतिहास में ट्रैप इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। ट्रैप टीम इवेंट की तीसरी खिलाड़ी मनीषा कोर थीं। गोल्ड मेडल जीतने वाली नीरू हरियाणा के जींद से संबंध रखती हैं। उनकी स्वर्णिम सफलता के बाद जींद के संगतपुरा गांव में जश्न मनाया जा रहा है।

महिला मुक्केबाजी

परवीन हुड्डा का शानदार प्रदर्शन, फाइनल में पहुंचीं

निशियो । भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शु को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निपन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा। निपन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

5000 मीटर रेस

पारुल चौधरी का दोहरा प्रदर्शन जीता दूसरा ब्रॉन्ज

नागोया, । भारत की पारुल चौधरी ने 'एशियन गेम्स 2026' में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। पारुल ने महिलाओं की 5000 मीटर फाइनल रेस 15:14.61 के समय के साथ पूरी करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, पारुल महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही थीं। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पारुल ने रेस के आखिरी हिस्से में जबदस्त तेजी दिखाते हुए कजाकिस्तान की नोराह तानुई को पछाड़कर तीसरा स्थान हासिल किया। शुरुआत में तेज रफ्तार के बावजूद, भारतीय एथलीट ज्यादातर समय आगे चल रहे ग्रुप के काफी करीब बनी रहीं। तानुई ने शुरुआत में बड़बड़ाई और शेष धावकों से काफी आगे निकल गईं, जबकि यावी पीछा करने वाले ग्रुप में शामिल हो गईं। शुरुआत में पारुल और उनकी साथी सीमा कुमारी बीच में चल रही थीं, जबकि तानुई लगातार



पहुंची थीं, जबकि जापान की नोजोमी तनाका का सीजन-बेस्ट समय 14:58.35 था, जो उस रेस में सबसे तेज था। यावी 14:30.06 के शानदार सीजन-बेस्ट समय के साथ आई थीं। यावी के लिए, यह जीत एक शानदार 'ट्रेबल' (तीन जीत) पूरी करने जैसी थी।

11 साल बोधना बनीं सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर



नई दिल्ली । भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानंदन ने चेस में इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) नॉर्म हासिल किया। इसके साथ बोधना इतिहास में वुमन ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गईं। इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉप बोर्ड पर खेलते हुए बोधना ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने छह गेम जीते और 8.0/11 का स्कोर हासिल किया, जिससे इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना बोर्ड 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहीं। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रैंडमास्टर कैटरीना लैंगने के नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। शिवानंदन की शतरंज यात्रा 'कोविड-19 लॉकडाउन' के दौरान शुरू हुई थी। पिता के दोस्त ने भारत लौटते समय कुछ बैग बोधना के परिवार को दिए थे, जिसमें एक शतरंज बोर्ड भी था। इसी शतरंज बोर्ड ने बोधना की दिलचस्पी को बढ़ाया। उस समय उन्होंने खुद ही इस खेल के दांव-पेंच सीखने शुरू किए थे।

भारत का सर्फिंग अभियान बिना पदक के समाप्त



ताहारा । भारत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में अपना पहला सर्फिंग अभियान बिना किसी पदक के समाप्त किया। किशोर कुमार अनवरसु आखिरी भारतीय थे, जो पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वार्टर-फाइनल में बाहर हो गए। सर्फिंग ने एशियन गेम्स में आइची-नागोया 2026 में अपना डेब्यू किया और भारत ने ताहारा के

पैसिफिक लॉन्ग बीच पर पुरुषों और महिलाओं के शॉर्टबोर्ड कॉम्पिटिशन में चार सदस्यीय समूह उतारा। 18 साल के भारतीय सर्फर किशोर का रन आखिरी आठ में फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन से 8.53-5.37 की हार के साथ खत्म हुआ। टोबी ने अपनी दो वेक्स में 5.50 और 3.03 का स्कोर किया, जबकि किशोर

सर्फ 3.00 और 2.37 ही बना सके। सर्फिंग में, किसी कॉम्पिटिटर का स्कोर उसकी सबसे ज्यादा स्कोर वाली दो वेक्स का टोटल होता है, जिसमें हर वेव को 10.00 में से आंका जाता है, जिससे अधिकतम स्कोर 20.00 होता है। किशोर ने तीसरे राउंड में चीन के मा वेनसोंग को 9.76-8.80 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अपने ओपनिंग-राउंड हीट में भी 9.33 पॉइंट्स के साथ टॉप किया था। भारत के दूसरे मेन्स शॉर्टबोर्ड पट्टे, शिवराज बाबू, दूसरे राउंड में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दावूद खादिर को 8.96-3.60 से हराकर आगे बढ़े। शिवराज का कैपेन तीसरे राउंड

में खत्म हो गया, जहां वह फिलीपींस के जयुआर्ड एलिसो से 11.50-7.83 से हार गए। विमेंस शॉर्टबोर्ड में, कमाली प्रकाश और सुगर शांति गायन भी तीसरे राउंड में बाहर हो गईं। कमाली इंडोनेशिया की जैस्मीन मिशेल स्टुडर से 1.64-5.93 से हार गईं, जबकि सुगर तीसरे राउंड में जापान की मिनामी नोनाका से 14.60-5.17 से हार गईं। भारत ने मालदीव में एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 के जरिए पुरुष और महिला, दोनों कैटेगरी में एशियन गेम्स के कोट हासिल किए, जहाँ उन्होंने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में अपना पहला टीम सिल्वर मेडल भी जीता।

रजत पदक जीतकर लौटी मीराबाई चानू का दिल्ली में भव्य स्वागत : बोली- देश के लिए मेडल जीतना सपना था



निशियो । जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में 49 किग्रा महिला वेटलिफ्टिंग में जीता ऐतिहासिक सिल्वर मेडल कोच विजय शर्मा के साथ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं

स्तर वेटलिफ्टर हवाई अड्डे पर खेल प्रेमियों और समर्थकों ने होल-नगाओं और तिरंगे के साथ किया जोरदार स्वागत जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत का परचम लहराने के बाद स्तर वेटलिफ्टर साइखोम मीराबाई चानू मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतने के बाद मीराबाई चानू अपने मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि और उनके प्रशंसक मौजूद रहे। स्वदेश वापसी पर मीडिया से बातचीत करते हुए मीराबाई चानू ने अपनी खुशी जाहिर की और इस पदक को अपने वर्षों के संघर्ष का परिणाम बताया।

1 अक्टूबर को जिले में मनाया जायेगा अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस

सतना। वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 1 अक्टूबर 2026 को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस. ने जिले के संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस की थीम गरिमा के साथ वृद्धावस्था वरिष्ठ नागरिकों के लिए देखभाल और समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने का महत्व निधारित की गई है। थीम के अनुरूप जिले में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वास्थ्य, सुरक्षा, अधिकारों एवं कल्याण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रमों के अंतर्गत जिले में संचालित वृद्धाश्रमों में निवासरत तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त की जाएगी। उनके मनोरंजन एवं सक्रिय सहभागिता के लिए कैरम, लुडो, शतरंज, गीत-संगीत सहित विभिन्न इंडोर गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से मोबाइल फोन, इंटरनेट, डिजिटल सेवाओं एवं कंप्यूटर के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाकर रक्तचाप, मधुमेह, नेत्र जांच सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिले में 100 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर शतायु सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। सम्मान स्वरूप उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट किया जाएगा। इसके साथ ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 एवं मध्यप्रदेश के संबंधित नियमों के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, उपलब्ध प्रावधानों एवं शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी। पीढ़ियों के अंतर को कम करने तथा युवा पीढ़ी में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता विकसित करने के लिए विद्यालय एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं तथा युवाओं की वरिष्ठ नागरिकों के साथ सहभागिता वाले संवाद, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए संचालित एल्डर हेल्पलाइन 14567 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा वरिष्ठ नागरिकों एवं उनके परिजनों को इसके उपयोग की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को यथासंभव आमंत्रित किया जाएगा तथा वरिष्ठ नागरिकों की अधिकतम एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि कार्यक्रमों को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, संवाद, सहभागिता एवं कल्याण से जुड़ी सार्थक गतिविधियों के रूप में आयोजित किया जाए। आयोजन के उपरांत फोटोग्राफ सहित प्रतिवेदन जिला स्तर पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इंटर स्कूल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 12 टीमों ने लिया हिस्सा

सतना। मध्यप्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार आयोजित मासिक खेल गतिविधियों के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग सतना द्वारा इंटर स्कूल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन दादा सुखेंद्र सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सतना में किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग की कुल 12 टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि एसडीएम रघुराजनगर राहुल सिलाड़िया ने विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ निरंतर अभ्यास करते हुए जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सुश्री रितिका दुबे, खेल प्रशिक्षक जय सिंह, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राजेश पाण्डेय तथा जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव संतोष सिंह सहित अन्य वरिष्ठ एवं सीनियर खिलाड़ी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 128 आवेदकों की समस्यायें



सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 128 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, संचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र वर्मा, संदीप परस्ते द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 3 अक्टूबर को कोठी में

सतना। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रदेश भर में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का संचालन 8 जनवरी 2027 तक किया जा रहा है। सतना जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 3 अक्टूबर को जनपद पंचायत सोहावल अंतर्गत ठाकुर रणमत सिंह स्टेडियम कोठी में आयोजित किया जायेगा। इस अभियान के लिए जिला स्तर के विभाग प्रमुख अधिकारी एक बस में बैठकर कलेक्ट्रेट परिसर से प्रातः 10 बजे कोठी के लिए रवाना होंगे। सतना जिले अंतर्गत मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के सुचारू संचालन हेतु रोस्टर निर्धारित किया गया है।

जिला चिकित्सालय सतना में वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर हेतु लगाई गई ड्यूटी

सतना राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर 2026 को जिला चिकित्सालय सतना के एन.सी.डी. क्लिनिक ओपीडी हॉल में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के सफल संचालन के लिए चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। शिविर में मेडिकल विशेषज्ञ डॉ. अजय प्रकाश त्रिपाठी, अस्थि रोग चिकित्सक डॉ. सुजीत मिश्रा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजु सिंह, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. संजय शुक्ला, दंत चिकित्सक डॉ. अफसर अली, मनोरोग चिकित्सक डॉ. हरिन्द्र सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सन्दीप तिवारी, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मोहम्मदी अशराफ, क्लीनिकल साइक्लॉजिस्ट श्रीमती रिकू पोद्दार, नर्सिंग ऑफिसर-एन.सी.डी. श्रीमती पूनम गुप्ता, सपोर्ट स्टाफ बृजकिशोर सोनी एवं आयुष्मान समन्वयक अशोक सिंह की ड्यूटी लगाई गई है। सिविल सर्जन डॉ. अमर सिंह ने बताया कि शिविर में प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक आने वाले वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। जिसमें एन.सी.डी. संबंधी जांच, मोतियाबिंद एवं आंखों की जांच, मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं कार्डसर्लिंग, आवश्यक जांच एवं उपचार तथा फिजियोथेरेपी के महत्व के संबंध में परामर्श दिया जाएगा।

कुपोषित बच्चों की मदद अब होगी ट्रैक, 'भावनी' बताएगा किस बच्चे को कितनी जरूरत

सत्यापित आंकड़ों से चिन्हित होंगे बच्चे, समाज के मददगार सीधे जुड़ेंगे

सतना। कुपोषण के खिलाफ मध्यप्रदेश में सरकारी प्रयासों के साथ अब समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं और दानदाताओं की भागीदारी को तकनीक के माध्यम से जोड़ने की पहल की गई है। श्भावनीश पोर्टल ऐसा डिजिटल मंच है, जो पोषण संबंधी आवश्यकता वाले बच्चों को मार्गदर्शकों, सहयोगी संस्थाओं और दानदाताओं से पारदर्शी तरीके से जोड़ने का काम करता है। पोर्टल का उद्देश्य केवल किसी बच्चे तक सहायता पहुंचाना नहीं, बल्कि सहायता मिलने के बाद उसकी पोषण स्थिति में हुए बदलाव की निरंतर निगरानी और मॉनिटरिंग सुनिश्चित

सहायता से पोषण सुधार तक हर कदम का रहेगा डिजिटल रिकॉर्ड करना भी है। भावनी पोर्टल पर महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रणालियों से सत्यापित बाल आंकड़े प्राप्त किए जाते हैं। बच्चों की निजता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी व्यक्तिगत पहचान सार्वजनिक नहीं की जाती। पोर्टल पर बच्चों की जानकारी अनाम रूप में प्रदर्शित होती है, ताकि जरूरतमंद बच्चे तक सहायता पहुंचने

के साथ उसकी गोपनीयता भी सुरक्षित रहे। भावनी पोर्टल पर मार्गदर्शक समग्र पहचान क्रमांक के साथ अथवा उसके बिना पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के बाद वे अपने क्षेत्र में उपलब्ध बच्चों की सूची देख सकते हैं और बच्चे को पोषण स्थिति तथा आवश्यकता के अनुसार उसका चयन कर सकते हैं। सहायता का प्रकार, कितनी बार सहायता दी जाएगी और सहायता से संबंधित अन्य विवरण दर्ज करने के बाद संबंधित बच्चे के लिए विशिष्ट सहायता पहचान क्रमांक तैयार होता ठे इस व्यवस्था से सहायता को सामान्य रूप से वितरित करने के बजाय बच्चे की वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप लक्षित किया जा सकता है। इससे सहयोग करने वाले व्यक्ति या संस्था को भी यह स्पष्ट रहता है कि सहायता किस उद्देश्य से और किस प्रकार उपलब्ध कराई जा रही है। भावनी पोर्टल की विशेषता यह है कि इसमें सहायता उपलब्ध कराने के बाद प्रक्रिया समाप्त नहीं होती। 'मेरे बच्चों की सूची' के माध्यम से मार्गदर्शक संबंधित बच्चों को दी जा रही सहायता की स्थिति तथा उनकी पोषण संबंधी प्रगति का अनुश्रवण कर सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आज उचेहरा में

सतना। प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सतना जिले में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में वृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रेरित कर रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में निर्धारित तिथियों पर विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत 30 सितम्बर को सिविल अस्पताल उचेहरा, 3 अक्टूबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटर तथा 7 अक्टूबर को सिविल अस्पताल रामपुर बघेलान में रक्तदान शिविर आयोजित किये जायेंगे।

इंकलाब जिंदाबाद के नारों से गुंजा पवई

भारत मां के वीर सपूत भगत सिंह की जयंती पर युवाओं ने निकाली भव्य बाइक रैली

फूलों की वर्षा कर नगरवासियों ने किया स्वागत

पवई। पवई शहीद सरदार भगत सिंह की जयंती पर सोमवार को पवई नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया युवाओं की बाइक रैली से नगर की गलियां इंकलाब जिंदाबादऔर शहीद भगत सिंह अमर रहें के नारों से गुंज उठीं हाथों में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जज्बा लिए युवाओं का काफिला जब नगर के प्रमुख मार्गों से निकला तो जगह-जगह नगरवासियों ने फूलों की वर्षा कर रैली का आत्मीय स्वागत किया बाइक रैली का शुभारंभ भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर से हुआ युवाओं का काफिला नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचा, जहां रैली का समापन



किया गया पूरे मार्ग में युवाओं ने भगत सिंह के विचारों और उनके राष्ट्रप्रेम से जुड़े नारे लगाए। रैली ने नगर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल बना दिया सरदार भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के बंगा में हुआ था बचपन से ही उनके मन में देश को अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी से मुक्त कराने का जुनून था जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला उन्होंने युवावस्था में ही क्रांतिकारी आंदोलन का रास्ता अपनाया और युवाओं को संगठित कर देश की आजादी के संघर्ष में सक्रिय भूमिका निभाई। 1928 में लाला लाजपत राय पर हुए लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भगत सिंह को झकझोर

दिया इसके बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी कार्रवाई की वहीं 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने केंद्रीय विधानसभा में बम फेंककर ब्रिटिश सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई और गिरफ्तारी दी इसके बाद उन्होंने जेल में भी अपने विचारों और संघर्ष के माध्यम से देशवासियों को जागरूक किया 23 वर्ष की उम्र में हंसते-हंसते चढ़ गए फांसी के फंदे पर लाहौर षड्यंत्र मामले में भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव को फांसी की सजा सुनाई गई 23 मार्च 1931 को तीनों अमर शहीदों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए महज 23 वर्ष की आयु में दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान आज भी देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है

रैली में शामिल युवाओं ने कहा कि भगत सिंह केवल एक नाम नहीं, बल्कि साहस, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम की अमर पहचान हैं उन्होंने अपने छोटे से जीवन में देश की स्वतंत्रता के लिए जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है उनके विचार आज भी युवाओं को देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देते हैं भगत सिंह की जयंती पर निकली बाइक रैली के दौरान ,इंकलाब जिंदाबाद,शहीद-ए-आजम भगत सिंह अमर रहें, जैसे नारों से पूरा पवई नगर गुंजता रहा रैली ने न केवल शहीद भगत सिंह के बलिदान को नमन किया, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी मजबूती से अभिव्यक्त किया।

एसआईआर को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी फैला रहे भ्रम: बृजेंद्र प्रताप



पन्ना। पन्ना में आयोजित एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता के दौरान स्थानीय विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी पर चुनाव आयोग, विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रुक्) और मतदाता सूची को लेकर जनता के बीच जानबूझकर भ्रम और अविश्वास फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 26 सितंबर को चुनाव आयोग द्वारा जारी स्पष्टीकरण में यह साफ हो चुका है कि एसआईआर से जुड़े सभी निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं, जिससे विपक्ष के सभी आरोप आधारहीन साबित होते हैं। श्री सिंह ने आगे कहा कि फॉर्म-6 से जुड़े घोषणा-पत्र को

लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का भी पर्दाफाश हो चुका है, क्योंकि चुनाव आयोग के अनुसार इसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही बरकरार रखा गया है। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों से असहमति जताना राजनीतिक दलों का अधिकार हो सकता है, लेकिन बिना किसी पुख्ता तथ्य के इन संस्थाओं पर कीचड़ उछालना देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे सहित कई प्रमुख नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुशील वैभव, वीणा खरे का ग्वालियर में सम्मान

पन्ना। पन्ना 27 सितंबर को ग्वालियर कला एवं साहित्य परिषद द्वारा माधव डिग्री कॉलेज के सामने राष्ट्रीय उत्थान न्यास के सभागार में साहित्यिक अधिवेशन संघर्ष हुआ जिसमें पूरे देश भर से उपस्थित साहित्यकारों का उल्लेखनीय समागम रहा। साहित्य जगत के कोहिनूर नामक पुस्तक के विमोचन के साथ कवि सम्मेलन मुशायरा एवं सम्मान समारोह संघर्ष हुआ। जिसमें पन्ना के कवि सुशील खरे वैभव एवं कवित्री वीणा खरे को साहित्य जगत के कोहिनूर साहित्य आचार्य एवं लाइव टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉक्टर रमेश कटारिया पारस, डॉक्टर कमलेश कमल, आरती खेडकर, डॉक्टर उषा सिकरवार, डॉ मनोहर फगवाड़जी ने सुशील खरे वैभव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

गुनौर थाना पुलिस द्वारा कार सहित भारी मात्रा पकड़ी अवैध शराब

पन्ना। पन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना सिंह चौहान के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना गुनौर पुलिस को दिनांक 27.09.2026 की रात्रि मुखबि्र से सूचना प्राप्त हुई कि एक बलेनो कार में तीन व्यक्ति अवैध शराब लेकर गुनौर की ओर जा रहे हैं तथा वाहन चालक के पास अवैध कट्टा भी है। सूचना को तत्दीक एवं कार्रवाई हेतु थाना प्रभारी गुनौर उप निरीक्षक बलबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा बराछ रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी की गई। कुछ समय बाद मुखबि्र के



बताए हूलिए के अनुसार बलेनो कार क्रमांक एमपी 35 जेडए 4759 अती दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर चालक द्वारा वाहन को भगाने का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रोक लिया गया। पुलिस टीम द्वारा नियमानुसार वाहन की तलाशी लेने पर बलेनो कार की डिग्गी में 08 पेटी देशी मदिरा प्लेन मिली। प्रत्येक पेटी में 50-50 क्रांटर के हिसाब से कुल 400 क्रांटर, जिसमें लगभग 72 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 40,000/- है। इसके साथ ही वाहन चालक प्रिंस वर्मा की तलाशी लेने पर उसकी कमर में पीछे की ओर 315 बोर का देशी कट्टा मिला। कट्टे की जांच करने पर उसमें 01 जिंदा कारतूस लगा हुआ पाया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के

विरुद्ध अपराध क्रमांक 307/2026 में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम एवं धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया जिनमें प्रिंस वर्मा पिता राजेश वर्मा, उम्र 19 वर्ष, निवासी लखनपुर, थाना गुनौर, जिला पन्ना। आशीष पटेल पिता राम प्रसाद पटेल, उम्र 20 वर्ष, निवासी झुमटा, थाना गुनौर, जिला पन्ना। अर्जित सिंह यादव पिता रामलाल यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी पंडेरी, थाना गुनौर, जिला पन्ना। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गुनौर उप निरीक्षक बलबीर सिंह,सउनि कुंजबिहारी कोल,प्र.आर. राजेश सिंह, मुकेश शर्मा, राजकुमार रजक, आर. नीलेश ,राजकुमार का सराहनीय योगदान रहा।

सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा।



सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के साथ जन जागरुकता अभियान भी चलाएं : मुख्यमंत्री

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान को उच्च प्राथमिकता देते हुए इसकी सभी गतिविधियाँ भलीभांति करें। अभियान में अब तक सभी जिलों में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। अभियान के तहत 3 अक्टूबर को ग्रामीण क्षेत्र और 4 अक्टूबर को शहरी क्षेत्र में सेवा सेतु शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए हितग्राहियों का चयन करके उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करें। शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों का निराकरण करके



उनकी जानकारी पोर्टल में दर्ज कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से सेवा ज्योति यात्रा शुरू होगी, जिसका जिला मुख्यालय में समापन होगा। समापन स्थल पर सभा का आयोजन करें। सेवा ज्योति को जिला मुख्यालय के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित करने की भी व्यवस्था करें। सेवा ज्योति यात्रा में हितग्राहियों की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय कार्यक्रम को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी वर्चुअली माध्यम से संबोधित करेंगे। इसमें

विकसित भारत की शपथ भी ली जाएगी। सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों के फोटो, वीडियो और रीलस अच्छी गुणवत्ता के बनवाएं तथा पोर्टल पर अपलोड करवाएं। सेवा की कहानियों में भी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के विरुद्ध हर जिले में प्रभावी अभियान चलाएं। नशे के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई करने के साथ नशामुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक जन जागरुकता अभियान भी चलाएं। भूलवश नशे की गिरफ्त में आ गए युवाओं को

नशामुक्ति केन्द्र के माध्यम से पुनर्वास के प्रयास करें। जिला स्तरीय एनकोर्ड समिति की हर माह अनिवार्य रूप से बैठक करके पोर्टल पर कार्यवाही विवरण अपलोड करें। नशे का आदतन कारोबार करने वाले अपराधियों के सम्पत्ति की जब्ती की भी कार्रवाई करें। बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नशे के विरुद्ध निगरानी बढ़ाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुगम बस सेवा के लिए सभी जिलों में बस डिपो और बस टर्मिनल की व्यवस्था कराएं। यह बस सेवा बस अपार्टेर्स के सहयोग से संचालित की जाएगी। बसों में आधुनिक उपकरण लगाकर उनकी निगरानी की जाएगी। ऐप के माध्यम से आम जनता बसों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला परिवहन सलाहकार समिति का गठन किया गया है। समिति की नियमित रूप से बैठक करके स्थानीय बस अपार्टेर्स तथा यात्रियों का सहयोग प्राप्त करें। सुगम बस सेवा से संबंधित पोर्टल बनाया जा रहा है। पोर्टल के माध्यम से बस संचालन से जुड़ी हर जानकारी की निगरानी होगी और सूचनाएं मिलेंगी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, अन्य मंत्रीगण, मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर शोलेन्द्र सिंह, आईजी गौरव राजपूत तथा कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन, सीईओ जिला पंचायत सृष्टि देशमुख गौड़ा तथा अन्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।

कलेक्टर ने आम जनता की सुनी समस्याएं, जनसुनवाई में मिले 411 आवेदन

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आम जनता के आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का सभी अधिकारी सात दिनों में निराकरण करें। इसका प्रतिवेदन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। जनसुनवाई में कलेक्टर ने आमजनता के 411 आवेदनों में सुनवाई की। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सृष्टि देशमुख गौड़ा, प्रभारी अपर कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीएम हुजूर जितेन्द्र तिवारी, डिप्टी कलेक्टर अदिति जैन तथा अन्य अधिकारियों ने भी आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की।

जनसुनवाई में मोतीलाल चौरसिया निवासी महासांव ने खसरे में सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम गुड को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। अतुल सिंह बसरोलिया निवासी गोविंदगढ़ ने संबल योजना के तहत अल्लेष्टि तथा अनुग्रह सहायता के लिए आवेदन दिया।



कलेक्टर ने सीएमओ गोविंदगढ़ को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। रामनरेश द्विवेदी निवासी रीवा ने लक्ष्मणबाग मंदिर में पुजारी की नियुक्ति करने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर को आवेदन का निराकरण करने के निर्देश दिए। रामबहोर विश्वकर्मा निवासी रायपुर कर्चुलियान ने उनके वकील द्वारा अवैध रूप से चार चेक हड़पने के संबंध में शिकायत की। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक को प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दिए।

शैलेन्द्र सिंह निवासी कपसा ने गांव में सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। भरतलाल निवासी भनिगवां ने जमीन से अवैध कब्जा करके बनाए जा रहे मकान का निर्माण रोकने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार जवा को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। लालाराम कटार निवासी लौआ ने मुख्य सड़क से घर तक आम रास्ता दिलाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। राजेन्द्र जिपाठी निवासी सितलाहा ने जमीन के रिकार्ड में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया।

नशामुक्ति के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाएं : कलेक्टर

मद्य निषेध सप्ताह में जागरुकता कार्यक्रमों का होगा आयोजन

रीवा। नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिले भर में 2 से 8 अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवधि में जिले भर में नशामुक्ति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि मद्य निषेध सप्ताह में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संस्थाओं तथा जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। अभियान की अवधि में विभिन्न विभागों से

समन्वय करके लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराएं। रैली, नुकड़ नाटक, पोस्टर, बैनर, संगोष्ठी, चित्र प्रदर्शनी आदि के माध्यम से लोगों को नशे की बुराईयों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने के लिए सचेत करें। कलेक्टर ने कहा कि डीन मेडिकल कालेज, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा तथा जिला शिक्षा अधिकारी विद्यार्थियों के सहयोग से जनजागरूकता अभियान चलाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद रीवा एवं मुख्य

कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, महिला बाल विकास, जन अभियान परिषद रीवा शासन के निर्देशों के अनुरूप जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें। ईश्वरीय प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी, गायत्री परिवार तथा मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं जैसे शहीद भगत सिंह सेवा समिति रीवा, निवेदिता कल्याण समिति रीवा, जगदीश वैजनाथ वेलफेयर सोसायटी रीवा और कल्याण कल्याण समिति रीवा में भी नशे के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी।

कमिश्नर ने संभाग के विभिन्न जिलों से आए आवेदकों की शिकायतों पर सुनवाई की

किसी ने रास्ता खुलवाने तो किसी ने जमीन से अवैध कब्जा हटाने से संबंधित आवेदन दिया

रीवा। आम जनों की समस्याओं एवं शिकायतों के तुरंत निराकरण के लिए प्रति मंगलवार को जनसुनवाई के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जनसुनवाई के कार्यक्रम में रीवा संभाग कमिश्नर शोलेन्द्र सिंह ने सतना, रीवा, मैहर, मऊजंग, सीधी एवं सिंगरीली जिले से आए आवेदकों की शिकायतों को सुना एवं शिकायतों का यथा संभव निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में पहुंचे रामबिहारी द्विवेदी निवासी करौंदी दुबे तहसील मैहर ने अपने शिकायती आवेदन में बताया कि



ग्राम पंचायत करौंदी दुबे द्वारा पीसीसी रोड बनाई गई है जिसमें कतिपय लोगों द्वारा मार्ग अवरुद्ध कर दिया गया है। जिससे आने-जाने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रामबिहारी द्विवेदी

ने रोड खुलवाने की मांग की। कमिश्नर ने कलेक्टर मैहर को शिकायत का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्राम भनिगवां तहसील जवा के भरतलाल ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि

उनकी निजी जमीन पर पटवारी द्वारा किसी अन्य लोगों के नाम बिना किसी आदेश के फीड कर दिए गए हैं तथा पक्का मकान बनाने का कार्य किया जा रहा है, उन्होंने मकान का निर्माण का कार्य रोकने की मांग की। कमिश्नर ने कलेक्टर रीवा को तत् संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सेमरिया की आशा कुशवाहा ने अपने प्रस्तुत आवेदन में बताया कि उनकी जमीन से कब्जा नहीं हटाया जा रहा है, इस संबंध में तहसीलदार द्वारा उनसे लगातार कार्यालय के चक्कर लगावाए जा रहे हैं, जिससे उनका आर्थिक रूप से

शोषण हो रहा है। उन्होंने तहसीलदार के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। कमिश्नर ने एसडीएम सिरमौर को संपूर्ण प्रकरण की जांच कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अनुग्र ट्रेडर्स तहसील बैद्वन जिला सिंगरीली ने अपने प्रस्तुत आवेदन में बताया कि उनके द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र सिद्धि खुर्द में कार्य हेतु सामग्री की सप्लाई की गई थी एवं रंग रोगन, पुताई, वॉल पेंटिंग का कार्य भी किया गया था जिसका 1 लाख 98 हजार रुपये की राशि का भुगतान शेष है, उन्होंने भुगतान राशि दिलाने की मांग की।

वन स्टॉप सेंटर रीवा के प्रयासों से सुलोचना को मिला अपना परिवार

रीवा। सिरमौर पुलिस द्वारा एक महिला को संरक्षण प्रदान करते हुए वन स्टॉप सेंटर रीवा लाया गया। महिला की पहचान सुलोचना वर्मा, पति श्री गोरे लाल केवट, पिता श्री जगदीश प्रसाद वर्मा एवं माता श्रीमती जानकी वर्मा लालगांव थाना सिरमौर के रूप में हुई। परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुलोचना के दो बच्चे हैं। दूसरे बच्चे के जन्म के बाद उनकी मानसिक एवं भावनात्मक स्थिति प्रभावित हुई, जिसके कारण वे



काफी परेशान रहने लगीं तथा ठीक से सुनने और ठीक से बोलने और अपनी बात स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में असमर्थ थीं। इसी दौरान वे अपने परिवार से दूर हो गईं और लगभग

15 दिनों तक भटकती रहीं। वन स्टॉप सेंटर रीवा में आने के बाद टीम द्वारा सुलोचना को सुरक्षित एवं आत्मीय वातावरण प्रदान किया गया। उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए टीम ने धैर्यपूर्वक उनकी देखभाल एवं लगातार काउंसलिंग की। महिला द्वारा अपनी जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं बता पाने के बावजूद टीम ने निरंतर प्रयास करते हुए उनके परिवार एवं निवास स्थान की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। वन स्टॉप सेंटर की टीम के

अथक प्रयासों से अंततः सुलोचना के परिवार का पता लगाया गया और उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया। सूचना मिलने पर परिजन वन स्टॉप सेंटर पहुंचे तथा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 27 सितंबर 2026 को सुलोचना को सुरक्षित रूप से उनके परिवार के सुपुर्द किया गया। लंबे समय बाद अपने परिजनों से मिलकर सुलोचना के चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट दिखाई दिया।

प्रकरण की सुनवाई होगी श्रम न्यायालय रीवा में

रीवा। श्री सुरेश प्रसाद रजक ने श्रमायुक्त कार्यालय में प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रौरा, संकुल हाईस्कूल बरा, बीईओ रायपुर कर्चुलियान तथा जिला शिक्षा अधिकारी रीवा के विरुद्ध प्रकरण प्रस्तुत किया है। इस संबंध में उप श्रमायुक्त ने बताया कि आवेदक सुरेश प्रसाद रजक को सेवामुक्त करने संबंधी आदेश की वैधता के संबंध में दर्ज प्रकरण की सुनवाई अब श्रम न्यायालय रीवा में होगी। औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के प्रावधानों के तहत श्रम न्यायालय रीवा को प्रकरण की सुनवाई के लिए अधिसूचित किया जाता है। प्रकरण की सुनवाई अब श्रम न्यायालय रीवा में होगी।

जनसुनवाई में 115 आवेदनों पर हुई सुनवाई

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण के निर्देश

मऊजंग। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई में कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों में की गई कार्रवाई से आवेदकों को भी अवगत कराया जाए, ताकि उन्हें अपनी शिकायत के निराकरण की स्थिति की जानकारी मिल सके।

जनसुनवाई में ग्राम धर्मपुरा निवासी गोविन्द केवट ने घर में विद्युत तार से आग लगने के कारण घरेलू सामान जलकर नष्ट होने पर आर्थिक सहायता का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारी को नियमानुसार जांच कर पात्रतानुसार शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम पंचायत दूबी के ग्रामीणों ने आपसी सहमति से सड़क निर्माण कराए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

ननि द्वारा आरआरआर कलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया गया

रीवा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर पालिक निगम रीवा द्वारा मंगलवार को वार्ड क्रमांक 21 स्थित साहू बस्ती एवं वार्ड क्रमांक 40 स्थित रानी तालाब रोड में आरआरआर कलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर निगम की स्वच्छता टीम ने स्थानीय नागरिकों से संपर्क कर उन्हें निगम द्वारा संचालित आरआरआर सेंटर के बारे में जानकारी दी। नागरिकों को बताया गया कि घरों में ऐसी कई वस्तुएं होती हैं, जिनका उपयोग उनके लिए समाप्त हो चुका होता है, लेकिन वे वस्तुएं किसी अन्य व्यक्ति के लिए उपयोगी हो सकती हैं।



हैं। ऐसी सामग्री को कचरे के रूप में फेंकने के बजाय आरआरआर सेंटर तक पहुंचाकर किसी जरूरतमंद की मदद की जा सकती है।

आरआरआर कलेक्शन ड्राइव के दौरान स्वच्छता टीम द्वारा घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क किया गया तथा उनके घरों में उपलब्ध ऐसी अतिरिक्त एवं अनुपयोगी सामग्री, जिसका पुनः उपयोग किया जा सकता है, उसे नगर निगम के आरआरआर कलेक्शन वाहन के माध्यम से एकत्रित किया गया। इस दौरान

नागरिकों को घर में अनुपयोगी पड़ी उपयोग योग्य वस्तुओं को अलग रखने तथा उन्हें आरआरआर कलेक्शन वाहन या आरआरआर सेंटर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। नगर निगम की टीम ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों में ऐसी वस्तुओं को अलग रखें, जिनका वर्तमान में उनके लिए उपयोग नहीं है, लेकिन उनका उपयोग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है। नगर पालिक निगम रीवा ने नागरिकों से आरआरआर पहल में सक्रिय सहभागिता करने की अपील करते हुए कहा कि घरों में अनुपयोगी पड़ी उपयोग योग्य सामग्री को नगर निगम के आरआरआर कलेक्शन वाहन अथवा आरआरआर सेंटर तक पहुंचाएं।

मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं का सभी विभाग शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करें : कमिश्नर

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण अटेंड न करने वाले अधिकारियों पर की जाएगी कार्यवाही

कमिश्नर ने निर्देश दिए सभी अधिकारी समय सीमा के पत्रों का जवाब प्रस्तुत करेंगे

रीवा। रीवा संभाग कमिश्नर श्री शोलेन्द्र सिंह ने मंगलवार को संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-समय पर जिले के प्रभण पर आए मुख्यमंत्री जी के द्वारा की गई घोषणाओं का सभी विभाग शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करें। इस दौरान कमिश्नर ने मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं के संबंध में विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही की



भी जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जी के द्वारा की गई घोषणाओं का क्रियान्वयन हर हाल में किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त सभी शिकायतों को अधिकारी गण प्राथमिकता से अटेंड करें और शिकायतों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने कहा कि जो अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को अटेंड नहीं करते हैं और बिना जवाब दिए आगे बढ़ा देते हैं ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध नियम अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर ने बैठक में समय सीमा पत्रों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी समय

सौमा के पत्रों का अधिकारी गण समय पर जवाब देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने 100 दिवस से अधिक के सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की एवं महिला एव बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, गृह विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, सहकरिता विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं अन्य विभाग की बहुत अधिक संख्या में निराकरण के अभाव में लॉबिंग शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रत्यक्ष में शिकायतकर्ताओं से संपर्क करें और उनकी शिकायतों का निराकरण करें एवं संतुष्टि पूर्वक शिकायत बंद

करवाएं। कमिश्नर ने लोकसेवा गारंटी के तहत प्राप्त आवेदनों का भी समय सीमा में त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने प्रभारी सचिव द्वारा विभिन्न विभागों से मांगी गई रिपोर्ट की समीक्षा की और सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभारी सचिव द्वारा मांगी गई रिपोर्ट देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि समय-समय पर जनप्रतिनिधियों से जो शिकायत या निर्माण कार्य की मांग की जाती है, उसका परीक्षण कर निर्माण कार्य एवं शिकायतों का निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि जो निर्माण कार्य या शिकायत शासन स्तर से संबंधित है उनमें उनके हस्ताक्षर से विभागीय सचिव को पत्र प्रेषित किए जाएं।